[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7101 **L**

Unique Paper Code : 2133100027

Name of the Paper : Indian and Western Poetics Criticism

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit – DSE**

Semester : VIII – NEP (UGCF) – 2020

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

Answer any **five** of the following questions:

1. पाश्चात्य विचारकों की काव्य-संबंधी अवधारणा को वर्णित कीजिए। 18
   Describe the poetic concepts of Western thinkers.

2. अरस्तु के विरेचन सिद्धांत को परिभाषित कीजिए। 18
   Define Aristotle's theory of Catharsis.

3. आचार्य क्षेमेन्द्र के औचित्य सिद्धांत की समीक्षा कीजिए। 18
   Review the justification theory of Acharya Kshemendra.

4. महाकाव्य के उद्भव और विकास पर निबंध लिखिए। 18
   Write an essay on the origin and development of epic.

P.T.O.

5. कविप्रतिभा पर दण्डीय एवं सेमुअल टेलर कॉलरिज के विचारों को परिभाषित कीजिए। 18
Define the views of Dandin and Samuel Taylor Coleridge on poetic genius.

6. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्यप्रयोजन को परिभाषित कीजिए। 18
Define the purpose of poetry according to Acharya Mammata.

7. भारतीय विचारधारा के अनुसार काव्य और नैतिकता को व्याख्यायित कीजिए। 18
Explain poetry and ethics in accordance with Indian thought.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: $2 \times 9 = 18$
Write comment on any **two** of the following:
i. नाटक
(Drama)
ii. कल्पना की अवधारणा
(The Concept of Imagination)
iii. होरेस का औचित्य सिद्धांत
(Horace's Theory of Auchitya)
iv. गीतिकाव्य
(Lyric Poetry)